जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान
विश्वविद्यालय, जयपुर

आनन्दम् परियोजना के अन्तर्गत

आनन्दम् विषय की पाठचर्या तथा पाठ्यक्रम का स्वरूप

सत्र 2020–21

डॉ0 दिवाकर मिश्र
नोडल अधिकारी, आनन्दम् परियोजना
जरारासंविवि, जयपुर (राज0)

07/11/2020

आनन्दम् विषय की पाठचर्या तथा पाठ्यक्रम

प्रस्तावना :–

सचिव संस्कृत शिक्षा, राजस्थान सरकार द्वारा प्रस्तुत 'आनन्दम् ' परियोजना देने की पुरातनी भारतीय सांस्कृतिक परम्परा से अनुप्राणित है। दाता से दान/सहयोग प्राप्त कर जब गृहीता का मुखमण्डल प्रफुल्लित होता है, तब उसे देख सहृदय दाता को जो अनिर्वचनीय आनन्द की प्राप्ति होती है। वस्तुतः उसी आन्नद की परिकल्पना "AANANDAM" the Joy of Giving परियोजना के माध्यम में की गयी है और इस आनन्द को युवाओं में बॉटने का साधन सहाभागिता के आधार पर 'सामुदायिक सेवा कार्य को ' स्वीकार किया गया है। ताकि इसके द्वारा विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों में अध्ययनरत युवाओं में जरूरतमंदों की मदद करने, उन्हें सहायता देने की प्रवृत्ति का विकास कर स्वस्थ समाज का निर्माण किया जा सके।

आनन्दम् : एक परिचय

- आनन्दम् परियोजना विद्यार्थियों के व्यक्तितव को वैयक्तिक, सामाजिक, नैतिक तथा अकादमिक दृष्टि से विकसित करने वाला एक अत्यन्त प्रभावकारी ' समाज सेवा कार्यक्रम ' है।
- समाज सेवा करने से छात्रों में कौशल विकास, सर्जनात्मकता, तार्किक–चिन्तन, नवाचारिक शक्ति–विकास, सकारात्मकता तथा कार्य–निष्ठा आदि गुण विकसित होते हैं जो कि समाज सेवा कार्य को सम्पादित करने की आधारभूत आवश्यकता है।
- आनन्दम् के माध्यम से समाज सेवा कार्य करते हुए युवा विद्यार्थीगण सामाजिक समस्याओं को समझेगें समाज की आवश्यकाताओं का आकलन कर सकेंगे तथा इनके समाधान को प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर होंगे।
- आनन्दम् के अन्तर्गत विविध निगमों/अभिकरणों आदि के साथ कार्य करते हुए विद्यार्थियों में सहभागिता, सहक्रियात्मकता तथा नेतृत्व के गुणों का विकास होगा।

आनन्दम् परियोजना के उद्देश्य :

- आनन्दम् एक मान (Credit) आधारित विषय है। इसके निम्नलिखित उद्देश्य है–
- विद्यार्थियों में समाज सेवा कार्य की आदतों को विकसित कर उनकी दिनचर्या में भलाई करने और सहयोग देने को शामिल करना।
- आनन्दम् के द्वारा संकाय सदस्य/अध्यापकगण आग्रह पूर्वक छात्रों का ध्यान इस ओर केन्द्रित करेंगे कि खुशी प्राप्त करने की वस्तु नहीं होती, अपितु खुशी किसी का सहयोग करने, किसी से बाँटने और किसी की देखभाल करने से आती है।
- संकाय सदस्य/अध्यापकगण वैयक्तिक सामाजिक दायित्व निर्वहन के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित करेंगें तथा उसके मन–मस्तिष्क में दया, करूणा आदि मानवीय गुणों को बिठाएँगें ताकि वे खुले दिमाग स्वेच्छा से आवश्यकतानुसार सकारात्मक दृष्टि अपनाकर कार्य कर सकेंगे।

07/11/2020

- ➢ छात्रों की कल्पनात्मता और सर्जनात्मकता की सराहना करना।
- ➢ इस आनन्दम् परियोजना द्वारा छात्रों में समाज सेवा के प्रति एक विशेष उद्देश्य एवं दृष्टि विकसित करना।

आनन्दम् स्वयं सेवक बनने के लाभ :

- ❖ यदि विद्यार्थी आनन्दम् के लिए स्वयं सेवक के रूप में अपना समय देते हैं तो इससे उन्हें निम्नलिखित लाभ प्राप्त होंगें–
- ❖ विद्यार्थी अपने ज्ञान तथा कौशल का उपयोग विशिष्ट सामुदायिक समस्याओं के समाधान हेतु कर सकते हैं।
- ❖ वे सामाजिक कार्यक्रमों की योजना बनाना तथा इनका नेतृत्व करना सीख सकेंगे।
- ❖ स्वयं सेवक छात्रों को देखकर और इनसे प्रभावित होकर समाज सेवा की भावना रखने वाले कॉलेज/विश्वविद्यालय के दूसरे छात्रों, सामाजिकों तथा मित्रगणों में से कुछ लोग अपने, खाली समय में से कुछ समय आनन्दम् से सम्बन्धित सामाजिक कार्य करने में दे सकेंगे।
- ❖ समाजिक जान–पहचान के कारण नये–नये मित्र बना सकेंगे तथा अपनें सामाजिक कौशल और मानसिक स्वास्थ्य को उन्नत बना सकेंगें।
- ❖ समाज सेवा के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।

आनन्दम् अनिवार्य विषय के रूप में

- ✓ आनन्दम् को अनिवार्य विषय के रूप में सत्र 2020–21 से विश्वविद्यालय में संचालित सभी पाठ्यक्रमों (शास्त्री I, II, III, आचार्य I, II संयुक्ताचार्य सभी सेमेस्टर, B.Sc. Yoga I, II, III M. Sc. Yoga I, II आदि सभी पाठ्यक्रमों) में एक साथ लागू करवाया जाना प्रस्तावित है।
- ✓ आनन्दम् पाठ्यक्रम को लागू किये जाने से विश्वविद्यालय प्रशासन तथा राज्य सरकार के कोष पर किसी प्रकार का वित्तीय भार नहीं पड़ेगा।
- ✓ आनन्दम् पाठ्यक्रम को प्रारम्भ करने का उद्देश विद्यार्थियों में जरूरतमन्द नागरिकों की **संरक्षा एवं सहयोग करने की आदतों को विकसित करना** ताकि सामुदायिक सेवा कार्य के माध्यम से स्वस्थ्य समाज का निर्माण किया जा सके।

आनन्दम् पाठ्यक्रम की रूपरेखा :–

- ❖ आनन्दम् पाठ्यक्रम मान (Credit) आधारित विषय के रूप में समाहित किया जायेगा।
- ❖ विश्वविद्यालय के नियमानुसार आनन्दम् विषय हेतु अंकतालिका में अंक/क्रेडिट को अंकित किया जा सकेगा।
- ❖ प्रत्येक सेमेस्टर में एक परियोजना के लिए 02 क्रेडिट निर्धारित होगा।
- ❖ प्रत्येक परियोजना 50 अंक की होगी जिसे चार माह में पूर्ण करना होगा।
- ❖ विश्वविद्यालय के विभागों तथा सम्बद्ध महाविद्यलयों की कक्षा समय–सारणी में आनन्दम् कक्षा के लिए 30 मिनट का कालांश निर्धारित किया जायेगा।

07/11/2020

आनन्दम् पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विद्यार्थियों को निम्नलिखित कार्य अनिवार्य रूप से सम्पादित करने होंगे –

A. **व्यक्तिगत गतिविधि** :– व्यक्तिगत स्तर पर प्रत्येक छात्र को प्रतिदिन आनन्द से सम्बन्धित किसी एक गतिविधि को **देखरेख करने, साझाा करने एवं सहयोग करने** (Careing, Shareing and Giving) के रूप में सामुदायिक सेवा कार्य अनिवार्य रूप से पूरा करना होगा इसके लिए छात्र/छात्राओं को समय और शक्ति देनी होगी।

B. **सामूहिक गतिविधि** :– प्रत्येक छात्र को अपने निर्धारित समूह में क्षेत्रिय सामुदायिक सेवा कार्य के रूप में **एक परियोजना** को पूरा करना होगा।

C. **आनन्दम् दिवस का आयोजन** :– प्रत्येक माह महीने के अन्तिम सप्ताह में किसी एक दिन (जैसा विश्वविद्यालय/महाविद्यालय प्रशासन द्वारा निर्धारित किया जाये) आनन्दम् दिवस मनाया जाना होगा।

आनन्दम् पाठ्यक्रम के सन्दर्भ में छात्रों हेतु दिशा–निर्देश –

- प्रत्येक विद्यार्थी प्रतिदिन आनन्दम् से सम्बन्धित एक व्यक्तिगत गतिविधि को अनिवार्य रूप से सम्पादित करेगा तथा निर्धारित आनन्दम् पंजिका/डायरी में इसका अभिलेख इन्द्राज करेगा।
- आनन्दम् के कालांश में विद्यार्थी इस आनन्दम् पंजिका/डायरी को अपने परामर्शदाता (मेन्टर) को दिखएगा तथा अपने कार्यानुभव को कक्षा के अन्य छात्रों के साथ साझा करेगा।
- सेमेस्टर परीक्षा योजना के छात्र प्रत्येक सेमेस्टर में **01** सामूहिक सामुदायिक सेवा परियोजना ले सकेंगें तथा वार्षिक परीक्षा योजना के छात्र एक वर्ष में **02** सामूहिक सामुदायिक सेवा परियोजना ले सकेंगे।
- **जुलाई से अक्टूबर के मध्य प्रथम** सामूहिक सामुदायिक सेवा परियोजना को पूरा करना अनिवार्य होगा और इसी प्रकार **नवम्बर से फरवरी के मध्य द्वितीय** सामूहिक सामुदायिक सेवा परियोना जो पूरा करना होगा।
- विद्यार्थी स्वयं के सामुदायिक सेवा कार्य से सम्बधित फोटाग्राफ्स प्रमाण स्वरूप लें और उसे संरक्षित करें।
- यदि छात्र ने किसी एन0जी0ओ0 / सरकारी अभिक्रण के साथ सामूहिक सामुदायिक सेवा परियोजना कार्य किया है तो उनसे **प्रमाण–पत्र** आवश्य प्राप्त करे।
- विद्यार्थी अपने सामुदायिक सेवा कार्य से सम्बन्धित अखबार में छपी खबरों की कटिंग (यदि कोई हो तो) को जमा करवायें।
- विद्यार्थी आनन्दम् दिवस कार्यक्रम में अपने सामूहिक सामुदायिक सेवा कार्य से सम्बन्धित चार्ट को प्रदर्शित करें और परियोजना से सम्बन्धित पावर–पाइन्ट प्रेजेन्टेशन तैयार कर प्रस्तुत करें।

07/11/2020

➢ इस प्रकार के प्रयास उन्हें उच्च अंक / ग्रेड़ प्राप्त करने में मदद करेंगे।

परामर्शदाता/संकाय सदस्य /मेन्टर की भूमिका–

- परामर्शदाता आनन्दम् से सम्बन्धित गतिविधियों को इन्द्राज करने के लिए एक पंजिका संधारित करेंगे और इसमें **सही के निशाने** द्वारा छात्र सम्पादित गतिविधियों को चिह्नाकिंत करेंगे तथा प्रतिदिन संस्था प्रधान/प्राचार्य को उक्त पंजिका प्रस्तुत करेंगे।
- परामर्शदाता प्रतिदिन छात्रों के द्वारा संधारित आनन्दम् पंजिका/डायरी का अवलोकन करेंगे तथा यह सुनिश्चित करेंगे की छात्र प्रतिदिन आनन्दम् सम्बन्धि गतिविधियों को पंजिका में इन्द्राज करते हैं या नहीं और तत्सम्बन्धी टिप्पणी भी पंजिका में अंकित करेंगे।
- आधे धण्टे की आनन्दम् कक्षा में क्रमिक रूप से एक / दो छात्र तथा स्वयं संकाय सदस्य आनन्दम् से सम्बन्धित गतिविधियों पर भाषण/वक्तव्य देंगे ताकि छात्रों में भाषण एवं अभिव्यक्ति कौशल विकसित हो सके।
- परामर्शदाता कक्षा के छात्रों को सामूहिक सामुदायिक सेवा परियोजना के अनुरूप विविध समूहों में विभाजित करेंगे एवं पंजिका में इसका अभिलेख करेंगे।
- छात्रों को उनके द्वारा चुनी गयी परियोजना के अधार पर न्यून्तम 08 और अधिकतम 12 की संख्या में एक समूह में रखा जा सकेगा।
- परामर्शदाता छात्रों को परियोजना के लिए आवश्यक संसाधन एवं समर्थन जुटाने में मदद करने के साथ ही सरकारी अभिकरणों तथा एन0जी0ओ0 के साथ समन्वय तथा सहयोग में उनकी सहायता करेंगे।
- परामर्शदाता सामूहिक सामाजिक सेवा परियोजना प्रतिवेदन लिखने में छात्रों को निर्देशन प्रदान करेंगे।
- परामर्शदाता छात्रों के द्वारा सम्पादित की जा रही सामूहिक सामुदायिक सेवा परियोजनाओं की मासिक समिक्षा करेंगे तथा विश्वविद्यालय/महाविद्यालय के आनन्दम् नोड़ल अधिकारी को प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगे और गूगल स्प्रेडशीट के माध्यम से इसे उच्च अधिकारियों को साझा करेंगे।

विश्वविद्यालय प्रशासन / महाविद्यालय प्राचार्य की भूमिका

- ✓ आनन्दम् पाठ्यक्रम के लिए 30 मिनट का एक कालांश प्रत्येक कक्षा हेतु आवंटित करना।
- ✓ सभी सकाय सदस्यों को आनन्दम् परामर्शदाता(मेन्टर) के रूप में नियुक्त करना तथा अनिवार्य रूप से आनन्दम् का एक कालांश देना।
- ✓ आनन्दम् सम्बन्धी गतिविधियों के समन्वयन तथा प्रगति संकलन हेतु विश्वविद्यालय/महाविद्यालय स्तर पर आनन्दम् नोड़ल अधिकारी नियुक्त करना।
- ✓ आनन्दम् दिवस सम्बन्धी समस्त गतिविधियों को समन्वित करना।

07/11/2020

- ✓ प्रत्येक माह के अन्तिम सप्ताह में आनन्दम् दिवस को आयोजित करवाना तथा छात्रों को सामुदायिक सेवा के प्रति अभिप्रेरित एवं उत्साहित करने की दृष्टि से इस अवसर पर अभिप्रेरणात्मक **चलचित्र** प्रदर्शित करवाने की व्यवस्था करना अथवा **भामाशाह, जिलाधीश या जनप्रतिनिधि** द्वारा अभिप्रेरणात्मक भाषण/उद्बोधन आयोजित करवाना।
- ✓ आनन्दम् दिवस के फोटोग्राफ्स को विश्वविद्यालय/महाविद्यालय में निर्धारित स्थान पर प्रदर्शित करवाना तथा इन्हें विश्वविद्यालय/महाविद्यालय के वेबपेज पर अपलोड करवाना।
- ✓ आनन्दम् परियोजना के प्रतिवेदन आंकलन हेतु Project Assessement Committee (PAC) का गठन करना।

आनन्दम् परियोजना आंकलन समिति का गठन

आनन्दम् पाठ्यक्रम के अन्तर्गत सम्पादित किये जाने वाले परियोजना कार्य के आंकलन हेतु आंकलन समिति (PAC) का गठन निम्नानुसार किया जा सकेगा–

- कुलपति/कुलपति द्वारा नामित सदस्य/प्राचार्य
- समाजिक परिवेश से एक सदस्य
- आनन्दम् नोड़ल अधिकारी
- पारामर्शदातागण (Mentor) – (01 से 07 या अधिक सदस्य के रूप में)

नोट :– परामर्शदाता के रूप में सदस्यों की संख्या विश्वविद्यालय/महाविद्यालय की छात्र संख्या तथा वहाँ संचालित हो रही परियोजनाओं की संख्या पर निर्भर करेगी।

07/11/2020

आनन्दम् पाठ्यक्रम के अन्तर्गत आयोज्य व्यक्तिगत गतिविधियों के लिए सुझाव

1. स्कूल/कॉलेज/सार्वजनिक स्थान/ कार्यालयों में बिजली/पंखे/इलैक्ट्रॉनिक उपकरण जो उपयोग में न हों उन्हें बंद करना।
2. स्कूल/कॉलेज/सार्वजनिक स्थान/कार्यालयों में व्यर्थ बहने वाले नल जो उपयोग में न हों, को बंद करना।
3. रिहायशी और सार्वजनिक स्थानों पर प्लास्टिक कचरे/टायरों आदि को जलाने को हतोत्साहित करें।
4. वृद्धजनों की मदद/कमजोर/महिला/वृद्धजनों को बैठने की जगह घर /बस तथा सार्वजनिक स्थानों पर।
5. किसी को जानवरों से क्रूरता करने से रोकना
6. सुनिश्चत करें कि कागज का दुरुपयोग रूके और कोरे कागज के दोनों तरफ से हो।
7. जरूरतमंद/बीमार/वृद्धजन/दोस्तों/रिश्तेदारों से मिलना अथवा फोन करना
8. महिलाओं की छेड़छाड़/उत्पीड़न को रोकना।
9. पौधे लगाना
10. पौधे सींचना
11. पड़ोसी दोस्त की मदद के लिए समय निकालना।
12. किसी जरूरतमंद व्यक्ति के साथ भोजन/पानी/दवा साझा करना।
13. लोगों को सडकों पर कचरा फेंकने से रोकना।
14. सभी से विशेष रूप से गरीबों से विनम्रता से बात करना
15. शब्द और संकेतों के माध्यम से महिलाओं/लड़कियों का सम्मान करना
16. बच्चों/महिलाओं के सामने अभद्र भाषा का प्रयोग न करना।
17. किसी का खोया हुआ पर्स/वॉलेट/दस्तावेज लौटाना
18. अपनी जगह अन्य को लिफ्ट/कतार में स्थान देना।
19. तेज ध्वनि पर संगीत ना बजाकर छात्र वर्ग/वृद्धजन/पड़ोसियों के लिए शांति कायम रखना
20. किसी ऐसे व्यक्ति को उपहार देना जिसे आप नापसंद करते हो।
21. कम्प्यूटर संबंधित दैनिक समस्याएं जैसेः– ई–मेल भेजना/इंटरनेट देखना/प्रिंट आउट निकालना आदि में किसी की मदद करना।

07/11/2020

आनन्दम् पाठ्यक्रम के अन्तर्गत आयोज्य सामूहिक गतिविधियों के लिए सुझाव

1. बिजली एवं पानी के संरक्षण हेतु चिन्हित क्षेत्र/कॉलोनी/ऑफिस में नारे/पोस्टर के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने वाले कार्यक्रम एवं अभियान।
2. कचरा निस्तारण के बारे में लोगों को प्रशिक्षित करने के लिए एक क्षेत्र/कॉलोनी/कार्यालय को अपनाना।
3. घायल और बीमार गायों/जानवरों की देखभाल हेतु योजना।
4. पानी/बिजली/कचरा निस्तारण/सड़कों/प्रदूषण के मुद्दों को सुधारने के लिए एक क्षेत्र/कॉलोनी को अपनाना।
5. पुस्तक/भोजन/कपड़े/मोबाइल/उपकरण इत्यादि का बैंक बनाकर संकलित सामग्री को जरूरतमंदों को वितरित करना।
6. पेड़ों की अनाधिकृत कटाई की निगरानी से संबंधित योजना के साथ कार्य
7. वृक्षारोपण और वनीकरण कार्यक्रमों से जुड़ना।
8. स्थानीय विरासत स्थलों एवं पर्यटक स्थलों के जीर्णोद्धार एवं पर्यटन मानचित्रों पर उनका प्रचार–प्रसार।
9. अस्पतालों के साथ समन्वय कर गरीब इलाकों के बच्चों/महिलाओं की चिकित्सा जाँच शिविरों का आयोजन।
10. ड्रग/एल्कोहल नशामुक्ति सहायता समूह बनाकर लोगों को प्रेरित करना।
11. किशोर जेलों और नारी शालाओं में व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।
12. श्रमिकों/घर की कामवाली की सहायता के लिए छोटे पैमाने के ऋणों के लिए सहकारी समितियों का गठन।
13. महिलाओं/बच्चों/वृद्धों के उत्पीड़न की निगरानी और समाधान।
14. बुनाई/रंगाई/मांडना/लोक गीत/पांडुलिपियों जैसे स्थानीय कला रूपों को पुर्नस्थापित करने और प्रचार–प्रसार करने के लिए समूह का गठन।
15. सामूहिक योग/ध्यान के लिए विशिष्ट समूह जैसे आयु/लिंग आदि के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन
16. बावड़ियों/कुओं एवं अन्य जल स्त्रोतों के जीर्णोद्धार के लिए समूह का गठन
17. वर्षा जल/सौर ऊर्जा संचयन के लिए लोगों को प्ररित कर तकनीकी जानकारी देना।
18. स्थानीय लोगों के लिए सार्वजनिक उद्यान/पार्क आदि के रख–रखाव के लिए कार्य।
19. कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग और एप्स के बारे में युवाओं को प्रशिक्षित करना।
20. अपने इलाकें में बालिकाओं के सर्वांगीण विकास और सशक्तिकरण के लिए "बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओं" एवं अन्य सरकारी योजनाओं में भागीदारी।
21. स्थानीय संसाधनों से सरल व नई तकनीक विकसित करना, जिससे गरीब श्रमिक वर्ग तथा किसानों के समय/श्रम की बचत के साथ उनके जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़े।

07/11/2020

The project report should be guided by the mentor and shall contain:

- **Synopsis**: clearly stating objectives and activities to be undertaken. Problem identifying and problem solving projects to be taken up.
- Details of the **Mentor and the Participants are to** be given (name of mentor, name of participants, phone number/mobile no and address)
- Location / community where the work was carried out
- Details of Activities performed are to be given with date
- Number of beneficiaries and impact on the society (the object should be to empower the community and make them self reliant)

16

ADDITIONAL DETAILS IN THE PROJECT REPORT

- Photographs taken for documentation of work should be submitted
- Media coverage of the projects should be attached, if any
- Students should also submit their certificates from the government bodies and or non-government bodies they collaborate with, if any
- Photographs of **Display charts** or **ppt/video** prepared while presentation on the group community service in the **Aanandam Day** have to be submitted along with the report

17

07/11/2020

परियोजना रिपोर्ट को निम्नलिखित प्रमुख बिन्दुओं में विभाजित किया जाएगा :

प्रस्तावना :

आभार :

अध्याय :

परियोजना का परिचय

उद्देश्य

I. अपनायी जाने वाली पद्धति / प्रकिया का विवरण :

II. गतिविधियां और समयावधि

III. परियोजना के दौरान सामाजिक संवाद एवं निरीक्षण व अनुभव का विवरण। फोटोग्राफ अथवा मीड़िया कवरेज। (यदि कोई हो)

IV. परियोजना की उपलब्धियां / लाभ

V. समूह के सदस्यों का व्यक्तिगत योगदान

VI. निष्कर्ष एवं परियोजना का अनुभव

छात्रों के नाम और हस्ताक्षर

1.	2. .....
3.	4. .....
5.	6. .....
7.	8. .....
9.	10. .....

07/11/2020

आनन्दम् पाठ्यक्रम के अन्तर्गत परियोजना प्रतिवेदन प्रस्तुति

- The Group Community Service Project Report will be submitted by the Student group leader under the guidance of the mentor to the Principal of the college.
- The Principal should get the best report (more than one if required) of the Group Community Service Project uploaded on the hte website and on the college page
- The Principal will forward the best report of the college to the Director, DCE to be submitted to the state level committee (PAC)

18

07/11/2020

प्रारूप संख्या 1

आनंदम के तहत परियोजना की रूपरेखा का प्रारूप

1. कॉलेज / विभाग / विश्वविद्यालय का नाम :

2. कॉलेज का समर्पित 'आनंदम' जीमेल आई डी :

3. परियोजना का शीर्षक :

4. सामुदायिक सेवा का स्थान :

5. मेंटर का नाम :

6. कक्षा / सेमेस्टर :

7- प्रतिभागियों का विवरण :

क्र0सं0	प्रतिभागियों का नाम	संपर्क विवरण	हस्ताक्षर
1.			
2.			
3.			
4.			
5.			
6.			
7.			
8.			
9.			
10.			
11.			
12.			

मेंटर के हस्ताक्षर

07/11/2020

रूपरेखा में निम्नलिखित प्रमुख बिन्दुओं के तहत परियोजना का संक्षिप्त विवरण होगाः

1. परिचय
2. परियोजना के उद्देश्य
3. कार्य का चिन्हित क्षेत्र
4. लक्षित लाभार्थी
5. अपनायी जाने वाली पद्धति/प्रकिया का विवरण :
6. सरकारी निकाय / गैर सरकारी संगठन द्वारा प्राप्त सहयोग :

विद्यार्थियों के हस्ताक्षर

1. .....
2. .....
3 .....
4 .....
5. .....
6. .....
7. .....
8. .....
9. .....
10.....

07/11/2020

प्रारूप संख्या 2

"आनंदम" के तहत परियोजना रिपोर्ट का प्रारूप

1. छात्र का नाम :

2. कॉलेज / विभाग / विश्वविद्यालय का नाम :

3. गूगल स्प्रेडशीट साझा करने के लिए कॉलेज के समर्पित आनंदम जीमेल :

4. परियोजना का शीर्षक :

5. सामुदायिक सेवा का स्थान :

6. मेंटर का नाम :

7. कक्षा / सेमेस्टर :

8. प्रतिभागियों का विवरण :

क्रम सं.	प्रतिभागियों का नाम	संपर्क विवरण	हस्ताक्षर

मेंटर के हस्ताक्षर

07/11/2020

मुल्यांकन प्रक्रिया

Project Assessment Committee will assess the Group Community Service Project Report submitted by the students, in the duly filled given format, based on:

Submission of the student dedicated daily diary as per student attendance norms

- students' performance and interaction with the community
- presentation of the project report
- impact on society and the course outcome results

20

07/10/2020

मूल्यांकन हेतु अंक विभाजन करना

Format for evaluation by Project Assessment Committee (Total max marks 50)

- Submission of register of everyday activity mandatory (if register is not submitted by the student he/she will not be evaluated and considered for the award)
- Report contains presentation /video (max.10 marks)
- Photographs of Students' participation and involvement of community (max.10 marks)
- Problem solving and challenging issues addressed/ innovation (max. 30 marks)

07/11/2020

ग्रेडिंग / अंक प्रदान करना

Project Assessment Committee constituted will assess the projects
For 4 months Group Community Service Project the grade equivalence is as follows:

Grading	Marks
C grade	24 and below
B grade	25 to 34
A grade	35 to 44
O grade	45 and above

22

07/11/2020

विश्वविद्यालय / महाविद्यालय स्तर पर पुरस्कृत करना

- Based on the impact on society and Aanandam project outcome one Group Community Service Project will be selected by the Project Assessment Committee at college level for award of best project of the college.
- The Principal will give certificate/letter of appreciation to the students and mentor of the project. The format for appreciation letter will be provided by the department.
- While selecting the project it must be ensured that all the members of the group have submitted the Anandam dedicated register. The student who does not submit the dedicated **Anandam register** will not be considered for the award.

07/11/2020

राज्य स्तर पर पुरस्कृत करना

The best project report of the college/University will be submitted to the Director, College Education/ Department of Higher and Technical Education for contesting the state level award

State Level Project Assessment Committee will evaluate projects received from all the colleges/universities (one each).

A certificate/letter of appreciation to the winning teams (Principal/Nodal officer of university, students and mentor of the project) will be given

24

07/11/2020

परामर्शदाताओं (Mentors) का प्रशिक्षण

- The Mentors will act as **facilitators** and they have to be suggestive and not judgemental.
- One day session will be kept on **Anandam** in Induction programme and Orientation programme of universities
- One session on Anandam will be kept in Faculty Development Programmes in colleges.

25

07/11/2020

सत्र 2020–21 के लिए आनंदम विषय की गतिविधियों के दिशा निर्देश

1. जब तक छात्र कैंपस में आना शुरू नहीं करते, तब तक आनंदम विषय को ऑनलाइन चलाना व मॉनीटर (निरीक्षण) करना सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

2. चूंकि अब हम कोविड–19 के अनलॉक चरण में हैं, इसलिए छात्रों को मास्क पहनने, सामाजिक दूरी बनाए रखने और स्वच्छता के प्रोटोकॉल के साथ फील्ड पर गतिविधियां शुरू करने के लिए निर्देश दिए जायें।

3. कोविड–19 की बाध्यताओं के मद्देनजर वर्तमान सत्र 2020–21 में सेमेस्टर पद्धति में प्रस्तुत की जाने वाली दो परियोजनाओं की अवधि पूर्व में निर्धारित चार महीने के स्थान पर दो महीने की होगी।

4. सत्र 2020–21 के लिए आनंदम पाठ्यक्रम की गतिविधियों की टाइमलाइन गतिविधियां

गतिविधियॉं	दिनांक / सेमेस्टर पद्धति	दिनांक / वार्षिक पद्धति
परियोजना विषय का चयन	09.11.2020	20.11.2020
परियोजना की रूपरेखा प्रस्तुत करना।	20.11.2020	28.11.2020
आनंदम दिवस मनाया जाएगा एवं कार्य प्रगति का प्रदर्शन करना।	प्रत्येक माह का अंतिम सप्ताह	प्रत्येक माह का अंतिम सप्ताह
मासिक रिपोर्ट: नोडल अधिकारियों द्वारा गूगल ड्राइव पर बनाए गए आनंदम फोल्ड़र पर साझा करें।	प्रत्येक माह का अंतिम कार्य दिवस	प्रत्येक माह का अंतिम कार्य दिवस
वार्षिक परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत करना (जिसे प्रारूप संख्या दो (02) के अनुसार बनाना है।)	सेमेस्टर का अंतिम सप्ताह (सत्र 2020–21 में सेमेस्टर पद्धति में प्रस्तुत की जाने वाली दो परियोजनाओं की अवधि पूर्व में निर्धारित चार महीने के स्थान पर दो महीने की होगी।)	20.02.2021

07/11/2020

कोविड-19 महामारी परिदृश्य के मद्देनजर अनिवार्य आनंदम विषय को कॉलेज के खुलने तक ऑनलाइन चलाया जाएगा। आनंदम विषय में 2 क्रेडिट / 50 अंक प्रति सेमेस्टर (एक परियोजना) या वार्षिक योजना (एक परियोजना) के लिए 100 अंक निरधारित हैं। कॉलेज के सभी संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों की सुविधा के लिए PPT एवं रूपरेखा (सिनोप्सिस) और रिपोर्ट के प्रारूप whatsapp ग्रुप पर साझा किए जाने चाहिए ।

निम्नलिखित दिशानिर्देश ऑनलाइन गतिविधियों के लिए मेंटर को सुविधा प्रदान करेंगे:

व्यक्तिगत गतिविधियाँ:

प्रत्येक कक्षा के लिए मेंटर नियुक्ति किये जाएगे जिन्हें विद्यार्थियों के व्हाट्सएप समूह बनाने होंगे

मेंटरस के दायित्व:

- आनंदम विषय और उसके तहत की जाने वाली गतिविधियाँ के बारे में जानकारी दे
- छात्रों को प्रतिदिन अच्छा कार्य करने के लिए प्रेरित करें और उस कार्य को एक रजिस्टर में प्रतिदिन नोट करें
- नियमित रूप से प्रेरणादायक संदेश विद्यार्थियों से साझा करे ताकि छात्रों को अच्छा कार्य करने के लिए प्रेरित किया जा सके
- विद्यार्थियों को सामुदायिक सेवा की परियोजना के बारे में सूचना दे जोकि उन्हें 8-12 के समूह में करनी है

समूह गतिविधियाँ:

प्रति सेमेस्टर (एक परियोजना) में 2 क्रेडिट / 50 अंक या वार्षिक योजना (एक परियोजना) के लिए 100 अंक

- कक्षा में छात्रों की संख्या के अनुपात में 8-12 छात्रों के व्हाट्सएप समूहों में छात्रों को विभाजित करें
- प्रत्येक समूह में एक समूह के नेता का चयन करें
- विद्यार्थियों से उन परियोजनाओं की सूची साझा करें जिनसे वे समाज सेवा के लिए जुड़ सकते है। छात्र समूहों से मेंटरस स्थानीय मुद्दों को हल करने वाली परियोजनाओं के लिए सुझाव भी आमंत्रित कर सकते हैं
- विद्यार्थियों द्वारा की गयी गतिविधियों की तस्वीरे लेने और GO / NGO से प्रमाण पत्र लेने का निर्देश दें।

07/11/2020

विद्यार्थियों के साथ PPT और रूपरेखा (सिनोप्सिस) एवं रिपोर्ट का प्रारूप साझा करें उन्हें निर्देश दें कि परियोजना की सिनॉप्सिस और रिपोर्ट कैसे तैयार की जाए क्योंकि इनका मूल्यांकन अंकों के लिए किया जाएगा।

आनंदम दिवस:

हर महीने के अंतिम सप्ताह में **आनंदम दिवस** मनाया जायेगा, जिसमें विद्यार्थी समूह उन गतिविधियों के बारे में प्रस्तुति देंगे, जिनमें वे शा।मिल हैं। इस दिन प्रेरक व्याख्यान / वीडियो / फिल्में / वेबिनार इत्यादि भी आयोजित कर सकते हैं

मेंटरस कॉलेज के नोडल अधिकारी को समूह गतिविधियों की एक मासिक रिपोर्ट तस्वीरों, (GO / NGO के साथ कार्य करने का प्रमाण पत्र और मीडिया कवरेज, यदि कोई हो तो) के साथ प्रस्तुत करेगे कॉलेज के नोडल अधिकारी केवल समूह गतिविधियों की जानकारी संकलित करेगे और इसे Google स्प्रेडशीट पर आयुक्तालय स्तर पर आनंदम नोडल अधिकारी के साथ साझा करेगे

Google स्प्रैडशीट तैयार करने के लिए महाविद्यालय को भेजे गए प्रारूप संख्या 03 का संदर्भ लें।

07/11/2020

Format-03

Procedure to share Anandam Subject data using Google drive

1. Use Google drive of your new Anandam Gmail.id to create this folder.
2. Create folder in Google drive
3. Nomenclature (Name of Folder) for example :

Actual Name of the College	Nomenclature
Govt. Commerce Girls College, Kota	Kota Girls Commerce
Government Law College , Alwar	Alwar Law
Babu Shobha Ram Government Arts College, Alwar (Raj.)	Alwar Arts

4. Share this folder with aanandm299@gmail.com
5. Create Google Spread Sheet in folder.
6. Google Sheet Nomenclature (Name) will be same as above (point 03)

Name of College	District	Name of Anandam Nodal officer	Mobile No.	No. of teaching faculty in college	Total No. of Students in College

Month - November							
Class	No. of Whats App groups	Main activities under taken	Dates	Hours	Have you uploaded any Photo/Document/Media News in the Shared Google Drive (Please limit it to only four graphics per month)	Have you uploaded any Photo/Document/ Media News on College Web Page & HTE portal (Please include Anandam day celebration pictures)	Date of Anandam Day
Month - December							
Class	No. of Whats App groups	Main activities under taken	Dates	Hours	Have you uploaded Photo/Document/Media News in the Shared Google Drive (Please limit it to only two graphics per month)	Have you uploaded any Photo/Document/ Media News on College Web Page & HTE portal (Please include Anandam day celebration pictures)	Date of Anandam Day

1. Are the students recording the act of goodness done by them regularly in their diaries.

Please Tick: Yes No

2. Have the student groups submitted the synopsis of the project they will work on.

Please Tick: Yes No

07/11/2020

24.